प्रधानमंत्री और लोक सभा अध्यक्ष ने महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित की

...

लोक सभा अध्यक्ष ने संसद परिसर में खादी की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

...

28 राज्यों और दो संघ राज्य क्षेत्रों के 99 युवा प्रतिभागियों ने भी संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी

...

नई दिल्ली; 2 अक्टूबर, 2022: प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के नेतृत्व में संसद सदस्यों ने आज महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कई केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और पूर्व सांसदों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महा सचिव, श्री पीसी मोदी ने भी इस अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष मेँ लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा शिक्षा मंत्रालय तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के समन्वय से आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, देश भर के 28 राज्यों और दो संघ राज्य क्षेत्रों के स्कूलों और कॉलेजों से चुने गए 99 युवा प्रतिभागी भी महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के सम्मान समारोह के साक्षी बने । उनमें से 30 चुने हुए प्रतिभागियों ने देश के विकास में हमारे राष्ट्रीय नेताओं के योगदान और उनके जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए ।

इस अवसर पर, श्री बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के दर्शन, आदर्श और विचार समय और भौगोलिक सीमाओं से परे हैं और सदैव प्रासंगिक रहेंगे। श्री बिरला ने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व द्वितीय विश्व युद्ध से गुजर रहा था और परमाणु हथियारों का वास्तविक खतरा था, महात्मा गांधी ने हमें अहिंसा के माध्यम से स्वतंत्रता दी । इसी तरह, श्री लाल बहादुर शास्त्री सादगी, दृढ़ विश्वास और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक थे ।

राष्ट्र के विकास में युवाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि हमारे युवा अपने ज्ञान, बुद्धिमता और कौशल से दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है और इस यात्रा में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। हमारे पास पहले से ही एक संविधान है जिसे अन्य देशों द्वारा एक आदर्श और मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम अपने संविधान के बताए रास्ते पर चलें और एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करें।

वाणिज्य और उद्योग तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने युवाओं से समाज में निर्धनतम वर्ग के व्यक्तियों के जीवन को बदलने के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं से देश को स्वच्छता, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे ले जाने का आग्रह किया जो महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री, डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने भी अपने विचार रखे।

इससे पहले संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद लोक सभा अध्यक्ष ने संसद परिसर में खादी की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।